वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 322 बुधवार 20 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## राजस्थान में बदला मौसम, येलो अलर्ट जारी

**जयपुर. कासं।** मौसम विभाग ने राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, टोंक, अजमेर, दौसा और आसपास के क्षेत्रों में मेघगर्जन के साथ हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। जैसे-जैसे होली का त्योहार नजदीक आ रहा है, गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। अब मौसम का मिजाज बदलने लगा है। दिन में तेज गर्मी तो वहीं रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। ऐसे में गर्मी का स्वागत जल्दी होने वाला है। बदलते मौसम में हल्की बूंदाबांदी से मौसम सुहाना होगा। तापमान में कमी आएगी। बता दें कि आजकल प्रदेश में तापमान में बढ़ोतरी हुई है जिस वजह से सुबह और शाम ही हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत होती है। यदि दिन के तापमान की बात करें तो 30 के पार ही रहता है। इस बदलते मौसम में सर्द-गर्म संबंधित बीमारियां भी पनप रही हैं। होली के बाद गर्मी का सितम शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ 20 मार्च की रात से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के करीब पहुंचने की आशंका जताई गई है।

# दूसरों की जिन्दगी बचाने के लिए 512 यूनिट रक्तदान

### ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के शताब्दी महोत्सव के तहत रक्तदान

**जयपुर/आबू रोड. कासं**

दूसरों की जिन्दगी के लिए अगर हमारे खून का एक बूद उसके काम आ जाये तो इससे बेहतर क्या हो सकता है। इसलिए हमें अपने खून का इस्तेमाल दूसरों का जीवन बचाने के लिए होना चाहिए। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका रजायोगिनी दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किये। वे अपने शताब्दी समारोह पर रक्तदान के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन दूसरों के लिए होना चाहिए। जीवन का मकसद यदि हमेशा परोपकार हो तो जीवन धन्य हो जाता है। यही वजह है कि हम कुछ ऐसे व्यक्ति होते है जो हमेशा ही दुनिया के सामने नजीर होते हैं। कार्यक्रम में पहुंचे आबू रोड के एसडीएम वीरमाराम ने रक्तदान के पश्चात लोगों को रक्तादन का सर्टिफिकेट बांटे तथा रक्तादान दे रहे लोगों से बात भी की। उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि जब हम अपना खून दूसरों को देते है तो उनकी सांसे लौट आती है। यही सबसे बड़ा पुण्य है। क्योकि जीवन दान से बड़ा कोई दान नहीं होता। रक्तदान के दौरान ब्रह्माकुमारीज के मल्टी मीडिया चीफ बीके करूणा तथा कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने भी लोगों से मुलाकात कर कुशल क्षेम पुछी। रक्तदान में रोटरी क्लब के राजेन्द्र बाकलीवाल, अध्यक्ष महेश गर्ग, रायल राजस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक त्रिपाठी, ग्लोबल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ प्रताप मिडढा, ब्लड बैंक अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में रक्तदाताओं के खाने पीने की पूरी व्यवस्था की गयी थी। चिकित्सकों की टीम लगतार रजर बनाये हुई थी। **ये रहे उपस्थित:** कार्यक्रम के दौरान बीके श्रीनिवास, बीके हंसा, विशाल सिंह समेत कई चिकित्सक एवं र्स अपस्थित होना चाहिए। सारी व्यवस्थाये चाक चौबन्द थी। इस दौरान चिकित्सकों की टीम, खाने पीने के समान, तथा कई नर्स और चिकित्सक उपस्थित थे। **लम्बी कतारों में उमड़ लोग:** रक्तदान देने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। जिसमें लोग रक्तदान देने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

# जब भी दान करें आनन्दपूर्वक करें : मुनि प्रतीक सागर

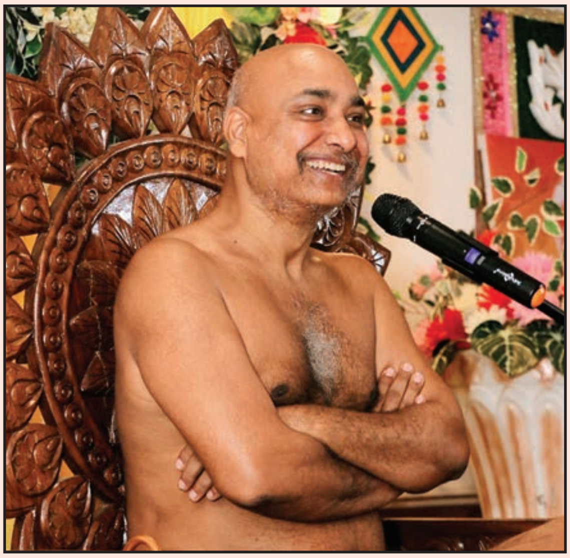

**आगरा. शाबाश इंडिया।** दाता के 5 भूषण होते हैं, दान आनन्दपूर्वक देवे, आदर से दे, प्रिय वचन बोल कर दे, निर्मल भावो से दे व दान धन्य भाव से दे ! उपरोक्त बाते, श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कमलानगर मे विराजित पूज्य क्रांतिवीर मुनि श्री प्रतीक सागर जी ने यहां चल रहे धार्मिक शिक्षण शिविर मे शिविर्राथियो को दीये ।उन्होने बताया कि जब भी कोई शुभ कार्य करे तो चौक अवश्य पूरें व जल से पूरा भरा मंगल कलश जिस पर श्रीफल रखा हो व आम अथवा अशोक के पत्ते लगे हों को स्थापित करें। मन्दिर मुख्य संयोजक जगदीश प्रसाद जैन ने बताया कि मन्दिरजी मे पहली बार आदर्श लघु सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन कल से घटयात्रा, ध्वजारोहण व जिनबिम्ब स्थापना के साथ हो रहा है उक्त विधान मे तीनदिन नित्य प्रातः 7 से 10.30 तक सिद्धों के लगभग 2064 अर्घ चढ़ये जायेंगे और पात्रो का चयन धन से नही नीयम की बोलियो से कीया जायेगो जितना कम उम्र का व्यक्ती बडा नीयम लेगा उसे उतना बडा पद दीया जायेगा। नीयम के फार्म मन्दिर पर उपलब्ध हैं इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीश प्रसाद जैन,पीयूष जैन,मनोज जैन बाकलीवाल,अभिषेक जैन,शिखर जैन सिंघई,अनिल रईस अनिल जैन, नरेश जैन हरीश जैन, समकित जैन शुभम छोटू जैन,समस्त कमलानगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। -रिपोर्ट : **मनोज जैन बाकलीवाल**

## समर्पण भाव से सेवा कार्यों में योगभूत बने महावीर इंटरनेशनल के वीर-विराएं :अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन

**सूरत. शाबाश इंडिया**

महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सी ए अनिल जैन एक दिवसीय दौरे पर दिल्ली से सूरत पहुंचें। वे महावीर इंटरनेशनल सूरत शाखा द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में आयोजित विराट हास्य कवि सम्मेलन में बतौर अतिथि पधारे थे। वीर अनिल जैन ने रविवार प्रातः भटार रोड़ स्थित कापड़िया हेल्थ क्लब में शहर की महावीर इंटरनेशनल की विभिन्न शाखाओं के वीर-विराओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि महावीर इंटरनेशनल अपनी स्थापना के 50 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर स्वर्ण जयंती मनाने जा रही है। इस गोल्डन जुबली वर्ष में प्रत्येक वीर-वीरा को अतीत के सेवा कार्यों का सिंहावलोकन करना है व भविष्य के 50 वर्षों की सेवा योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी है व इस संस्था को सेवा के क्षेत्र में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ संस्था बनाने हेतु तत्पर रहना है। वीर अनिल जैन ने कहा कि इस एन जी ओ से जुड़े वीर-विराओं ने सदैव जागरूक रहते हुए शिक्षा, चिकित्सा, प्राकृतिक आपदा, जल प्रबंधन, पर्यावरण सुरक्षा, रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान, देहदान, महिला सशक्तिकरण, स्वाबलंबन, बेबी किट वितरण, सेनेटरी पेड वितरण, दिव्यांग सेवा आदि सेवा कार्यों में सदैव सराहनीय भूमिका निभाई है व देश भर में अनेक शाखाओं के वीर विराएं हॉस्पिटल संचालन, वृद्धाश्रम, नेत्र चिकित्सा, फुटपाथ स्कुलें, छात्रवृति आदि स्थायी सेवा कार्यों में बहुत बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

## त्रिलोकतीर्थधाम में मनाया गया सन्मतिसागर समाधि स्मृति दिवस

**मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया**

बड़ागांव। त्रिलोकतीर्थ दिगम्बराचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर महाराज का समाधि स्मृति दिवस त्रिलोकतीर्थ धाम बड़ागांव (बागपत) में 17 मार्च को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। श्री त्रिलोकतीर्थ धाम कमेटी के कार्याध्यक्ष महेंद्र जैन मधुवन द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसारआचार्य शांतिसागर महाराज छाणी परंपरा के पंचम पट्टाचार्य राष्ट्रऋषि, सिंहरथ प्रवर्तक, त्रिलोकतीर्थ प्रणेता आचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर महाराज का गुरुसमाधि -स्मृति दिवस महोत्सव रविवार 17 मार्च को विश्व की प्रथम अलौकिक कृति त्रिलोकतीर्थ धाम में ऐलाचार्य श्री त्रिलोकभूषण महाराज, ऐलाचार्य श्री प्रभावना भूषण महाराज, आर्यिका चंद्रमती माताजी, मुक्तिभूषण माताजी, दृष्टिभूषण माताजी, अनुभूति भूषण माताजी सहित अनेकों साधु संत एवम ब्रह्मचारी भैयाजी एवम दीदियों के पावन सान्निध्य में मनाया गया। अतिशय क्षेत्र बड़ागांव के त्रिलोक तीर्थ धाम में रविवार को आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई। अनुष्ठान में बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी शामिल हुए तथा गुरु समाधि पर पुष्प अर्पित किए। वहीं जैन संत और साध्वियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। अनुष्ठान सुबह पारस प्रभु की पूजा अर्चना और अभिषेक के साथ शुरू हुआ। ब्रह्मचारी नवीन भइया ने मंडप और गुरु समाधि का मंत्रों सहित जल और पीली सरसों से शुद्धिकरण किया। नरेश जैन मोहित जैन और रोहित जैन ने संयुक्त रूप में दीप प्रज्वलित किया। सुशील जैन, अमित जैन, हर्षित जैन, श्यामलाल जैन, आदेश जैन, सिद्धार्थ जैन, उमेश जैन, वरुण जैन ने पारस प्रभु और विद्या भूषण सन्मति सागर महाराज के चित्रों का अनावरण किया।

# सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव का तृतीय दिवस

**किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया**

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी सिटी रोड़ में फाल्गुन मास की अष्टमी से प्रारम्भ अष्टानिका पर्व के अंतर्गत अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव के आज तीसरे दिन बहुत भक्तिभाव से विधान की पूजन हुयी। कार्यक्रम संयोजक इंदर चंद पाटनी ने बताया की विधान के पूर्व प्रातःकाल श्रीमद देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। जिसका पुण्यार्जन विधान के सोधर्म इन्द्र आर. के. मार्बल परिवार, यज्ञनायक आनंद कुमार कनकलता बज एवं प्रति इंद्र श्रीमती प्रेमलता प्रवीण कुमार संजय राजीव गगंवाल परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात विधान महोत्सव की पूजन प्रारंभ हुई इस विधान में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे उपाचार्य डॉक्टर किरण प्रकाश शास्त्री, अभिषेक भैया एवं रोहित भैया के मार्ग निर्देशन में एवं सुप्रसिद्ध संगीतकार अजीत पांडया की मधुर स्वर लहरियों के बीच विधान पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गंगवाल, मंत्री विनोद चौधरी, उपमंत्री इंदरचंद पाटनी, विनय कुमार छाबड़ा, संजय झांझरी, घीसालाल बडजात्या, महेंद्र गंगवाल, नरेश दगडा, राजेश पहाडिया, सुभाष चौधरी, पवन लुहाडिया, राकेश पाटनी, पवन काला, आनंद कुमार बज, सुमेर पाटोदी, राकेश पहाड़िया, कमल सेठी, दिनेश दगड़ा, प्राणेश बज, जितेंद्र पाटनी, पिंटू अजमेरा के साथ सुनिता काला, शशिप्रभा बज, जूली चौधरी, कुसुम कटारिया, सिंपल बाकलीवाल, मोना झांझरी, चांददेवी कासलीवाल, शांति देवी, नवरत्न दगडा, पुष्पा सेठी, उषा गोधा, निर्मला पाटनी, रेखा झांझरी सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहे।

## सायंकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक संध्या

सायंकालीन महावीर महिला मंडल द्वारा महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक मोना झांझरी ने बताया कि महावीर महिला मंडल की अध्यक्ष रश्मि दगड़ा एवं मंत्री रेखा बड़जात्या के निर्देशन में धार्मिक म्यूजिकल अंताक्षरी खिलाई गई जिसमें 5 टीमें बनाई गई जिनमे बीच बीच में उपस्थित सभी सदस्यों से भी प्रश्न पूछे गए कार्यक्रम में मुन्नी दगडा, मधु जैन, प्रवीण अजमेरा, नरेश लुहाड़िया, रेखा झांझरी, मोना झांझरी, सिंपल बाकलीवाल , उषा गोधा, प्रियंका जैन, शर्मिला दोषी आदि सदस्यों ने भाग लिया कार्यक्रम में प्राणेश बज और शशिप्रभा बज ने निर्यायक की भूमिका निभाई। सभी विजेताओं को सुशीला पाटनी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया कार्यक्रम की शुरूआत सुशीला पाटनी द्वारा मंगलाचरण से की गई कार्यक्रम में सरिता पहाडिया, नवरत्न दगड़ा, शांति बड़जात्या, रश्मि छाबड़ा, सारिका छाबड़ा, संगीता पापड़ीवाल, मंजू गोधा, बीना झांझरी, सुशीला चौधरी, कुसुम कटारिया, जुली चौधरी, कनकलता बज, रेखा बाकलीवाल, निशा रारा, सरिता पाटनी सहित अनेक महिला सदस्य उपस्थित रही दर्शको ने झूमते गाते हुए भजनों का आनंद लिया उपाचार्य किरणप्रकाश शास्त्री द्वारा भी एक सुंदर भजन की प्रस्तुति दी सभी ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की। विधान संयोजक इंदरचंद पाटनी ने बताया कि विधान बहुत ही धूमधाम से भक्तिभाव से पूरी तनमयता के साथ हो रहा है। आज विधान में विनय पाठ, देव शास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान की पूजा, नवदेवता पूजन के बाद श्री सिद्ध चक्र विधान की पूजन की गयी। मंडल जी पर तीसरे वलय के 32 अर्घ्य समर्पित किए गए। कल बुधवार के प्रति इन्द्र श्रीमती चांददेवी, लोकेश, रेखा, हार्दिक, हितांश झांझरी परिवार होंगे।

## वेद ज्ञान

### जीवन में न दें भय को स्थान

जब हमारे आत्मविश्वास में कमी आती है, तो हमारे भय का जन्म होता है। इसका हमें कोई सटीक आभास नहीं होता है कि भविष्य में क्या होगा, लेकिन हम अक्सर इसे लेकर मन ही मन बहुत कुछ सोचने लगते हैं। ऐसे में यदि हमारे विचार सकारात्मक होते हैं, तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ जाता है, लेकिन जब हम अंजाम के बारे में नकारात्मक बातें सोचने लगते हैं, तो हमारा आत्मविश्वास डिगने लगता है और जाने-अनजाने हम भय के जाल में फंस जाते हैं। इस स्थिति में मनुष्य के लिए भय को अनदेखा करना आसान नहीं होता, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि वह भय का सामना ही न कर पाए। भय से बचने के लिए मनुष्य को थोड़ा साहस जरूर दिखाना पड़ता है। जान लीजिए कि जो डर से डर गया, वह मर गया वरना डर के आगे जीत है। डर और साहस का एक संबंध है, क्योंकि साहस का न होना ही डर के पैदा होने का कारण होता है। साहस एक ऐसी शक्ति है, जिसके सामने डर अपना सब कुछ खो देता है। मनुष्य को सर्वप्रथम अपने भय की पहचान करनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि अपने भय को पहचाने बगैर हम कभी उससे छुटकारा नहीं पा सकते। जिस बात या कार्य से आपको भय लग रहा है, उस कार्य को बार-बार करें। इसके बावजूद आपका भय कायम है, तो उस कार्य को तब तक करते रहें, जब तक आपका भय पूरी तरह से भाग न जाए। आप जितनी बार भय देने वाले कार्य को करेंगे, उतनी आपकी हिम्मत बढ़ती जाएगी। एक समय ऐसा जरूर आएगा, जब आपके भय को उलटे पैर भागना ही पड़ेगा। वैसे यह दुनिया बड़ी मनोरम और सुंदर है, इसमें भय जैसा कुछ भी नहीं है। भय तो हमारे ही मन की एक स्थिति है। किसी के लिए ऊंचे पहाड़ रोमांच का एक साधन हैं, तो दूसरे को पहाड़ की ऊंचाई मृत्यु का भय दिखाती है। पहाड़ अपनी जगह खड़े हैं, लेकिन मनुष्यों की मनोदशा बदली हुई है। भय कुछ और नहीं, बल्कि पाने की लालसा और खोने का डर है। जो मनुष्य यह बात जानते हैं कि वे इस धरती पर खाली हाथ आए हैं और उन्हें खाली हाथ ही जाना है, तो उन्हें कभी किसी बात का भय नहीं होगा। अगर आपको यह पता चले कि आज आपकी जिंदगी का आखिरी दिन है, तो आप भय में दिन गुजारेंगे या प्रसन्नता में?

## संपादकीय

# भारत की छवि से खेल रहे हैं संकीर्ण मानसिकता के लोग

गुजरात विश्वविद्यालय के परिसर में नमाज पढ़ने को मुद्दा बनाकर कुछ विदेशी छात्रों पर जिस तरह हमला किया गया, वह हर लिहाज से अनुचित है। इससे देश की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ा है। राहत की बात यह है कि इस मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया और आरोपियों के खिलाफ सख्ती बरती है। मगर यह चिंता की बात है कि पढ़ाई-लिखाई के परिसरों में एक तरह की अराजकता पसर रही है और वह सभी के लिए बेहद नुकसानदेह है। गौरतलब है कि शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में कुछ विदेशी छात्र नमाज पढ़ रहे थे कि वहां अचानक बीस-पच्चीस लोगों का समूह पहुंच गया और विवाद के बाद उन पर हमला कर दिया। इसमें कुछ छात्र घायल हो गए। हैरानी है कि ऐसी संवेदनशील परिस्थितियों में हंगामा करने वालों को रोकने और जरूरी कानूनी कार्रवाई को लेकर पुलिस अक्सर लापरवाही बरतती है। हालांकि अब इस मामले में आरोपियों के खिलाफ पुलिस सख्त दिख रही है। ऐसे मामलों में अराजक तत्त्वों के खिलाफ सख्ती इसलिए भी जरूरी है कि ऐसे लोग इस बात की भी फिक्र नहीं करते कि उनकी हरकतों से दुनिया में भारत को लेकर कैसा संदेश जाएगा। एक ओर हमारे देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' का नारा दिया जाता है, दूसरी ओर उपद्रवी तत्त्वों की बेलगाम

हरकतों से ऐसे प्रयासों को गंभीर चोट पहुंचती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दुनिया के बहुत सारे देशों से अलग-अलग धर्मों में विश्वास रखने वाले विद्यार्थी भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई करने आते हैं तो इसकी वजह भारत में पढ़ाई-लिखाई के बेहतर माहौल के साथ-साथ सौहार्द और सहिष्णुता की संस्कृति की मजबूत बुनियाद रही है। मगर संकीर्ण मानसिकता की वजह से अगर किसी अन्य धर्म के छात्रों पर हमले किए जाते हैं, उन्हें बाधित किया जाता है तो यह न सिर्फ कानून व्यवस्था का मसला है, बल्कि ऐसी घटनाओं से देश के बारे में गलत संदेश जाएगा। इसलिए उम्मीद है कि इस मामले में पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई है, उसे अंजाम तक पहुंचाया जाएगा, ताकि देश के बारे में नकारात्मक धारणा को बल न मिले।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# चुनाव का समय

आम चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई है। सात चरण में मतदान होंगे। पहले चरण के मतदान से लेकर नतीजों की घोषणा तक डेढ़ महीने चुनाव का माहौल बना रहेगा। पहले चरण के मतदान से पहले भी पूरा एक महीना राजनीतिक दलों को मिला है। यानी चुनाव कुल ढाई महीने की अवधि में फैला है। यों राजनीतिक दल इसके लिए काफी पहले से तैयारियों में जुट गए थे। उम्मीदवारों के नामों की घोषणा, सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे आदि को लेकर मंथन काफी समय से चल रहा था। अब वे अपना-अपना समीकरण लेकर मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव का ज्यादा दारोमदार आखिरकार मतदाता पर होता है। वह चुनाव को क्या दिशा देता है, इस पर दुनिया की नजर टिकी होती है। मगर कुछ चुनावों के अनुभवों से जाहिर है कि मतदाता चुनाव को लोकतंत्र के उत्सव के रूप में मनाने के बजाय दलगत उन्माद से भर जाते हैं। इसी का नतीजा कई जगहों पर राजनीतिक हिंसा में दिखाई देता है। कुछ राज्यों में हिंसा की घटनाएं चिंता पैदा करती हैं। इसी के मद्देनजर भारतीय निर्वाचन आयोग को अपनी रणनीति तैयार करनी पड़ती है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप में संपन्न कराए जा सकें, यह निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती होता है। चुनाव के वक्त राजनीतिक दल एक-दूसरे पर स्वाभाविक रूप से आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं। उसमें कई बार आपत्तिजनक बयान भी आ जाते हैं। उस पर नजर रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मगर पिछले कुछ चुनावों से देखा जा रहा है कि पार्टियों के समर्थक खुद राजनेताओं के बयानों के बचाव या विरोध में परस्पर गुत्थम-गुत्था हो जाते हैं। पश्चिम बंगाल और दक्षिण के कुछ राज्यों में ऐसा वातावरण कुछ अधिक देखने को मिलता है। लोकतंत्र में असहमति अच्छी बात है, मगर उसे लेकर हिंसा पर उतर जाना किसी भी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। इससे नाहक निर्वाचन आयोग और सुरक्षाबलों की परेशानियां बढ़ती हैं। बहुत सारे मतदाताओं के मनोबल पर भी इसका असर पड़ता है और वे मतदान केंद्रों तक पहुंचने से हिचकते हैं। एक लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हर मतदाता से उम्मीद की जाती है कि न केवल वह अपने विवेक से मतदान करे, बल्कि मतदान की प्रक्रिया को भी बाधित होने से बचाए। मतदान के बदले राजनीतिक दलों की तरफ से दिए जाने वाले पैसे और उपहार वगैरह के प्रलोभन से पार पाना भी बड़ी चुनौती बन गया है, इस मामले में भी मतदाताओं की मदद की अपेक्षा है। हालांकि इतने लंबे समय तक चुनाव को फैला देने पर कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों के एतराज को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। चुनाव की अवधि जितनी लंबी खिंचती है, उतनी ही उसमें गड़बड़ियों की आशंका भी बनी रहती है। इसे लेकर कई बार आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। पहले चरण के मतदान के बाद करीब डेढ़ महीने तक वोटिंग मशीनों की निगरानी करनी पड़ेगी। इतने लंबे समय तक आदर्श आचार संहिता लागू रहने से सरकारी कामकाज भी प्रभावित होंगे। सुरक्षाबलों को लगातार एक से दूसरे इलाके में स्थांतरित करते रहना पड़ेगा। इसलिए मांग की जाती रही है कि चुनाव को कम से कम समय में संपन्न कराया जाना चाहिए। हालांकि सुरक्षा कारण बड़ी चिंता का विषय हैं, पर इतनी लंबी अवधि में फैले चुनाव में स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना खुद निर्वाचन आयोग के लिए भी कम कठिन काम नहीं होता है।

# बालमुकुंदाचार्य महाराज ने किया कैलेंडर का विमोचन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

हवामहल विधायक महंत बालमुकुंदाचार्य महाराज ने मंगलवार को अखिल भारतीय नारायणी धाम विकास एवं महासभा तथा राष्ट्रीय नाई महासभा द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का विमोचन किया। महाराज ने इस अवसर पर अपने आशीर्वचन में सभी के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए इस कैलेंडर की सराहना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सरना, प्रधान महासचिव रोहिताश सैन समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

# सिद्धचक्र महामंडल विधान में परम पूज्य आर्यका 105 विभाश्री माताजी का मंगल आशीर्वाद मिला

**सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया**। सिद्धों की नगरी तीर्थ का राजा सम्मेदशिखर जी पर सिद्धचक्र महामंडल विधान का तीसरा दिन जीवन में बिना कारण के कोई कार्य नहीं होता है। जीवन में यदि गरीबी है तो उसका कारण है। यदि अमीरी है तो भी उसका कोई कारण होता है। सुख और दुख का भी कोई कारण होता है। जीवन में सुख-दुख धूप-छांव की तरह आते जाते हैं ,इसी का नाम संसार है।17 से 25 मार्च तक चलने वाले विधान के दौरान हर दिन अनेक धार्मिक आयोजन और प्रवचन चल रहे हैं। जीवन के सभी दिन एक से नहीं होते हैं। जिस तरह दिन के बाद रात आती है इसी तरह सुख-दुख आते जाते हैं। जीवन में प्रभु की कृपा के बिना व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता। इसलिए प्रभु वंदना जरूरी है। जीवन में सुख-शांति और आत्म कल्याण के लिए प्रभु की अर्चना करना चाहिए। सिद्धचक्र महामंडल विधान में अनंतानंत सिद्ध भगवानों की महाअर्चना की जाती है। इससे महान अतिशय पुण्य का अर्जन होता है। ऐसे प्रभु की महाअर्चना करने को देव भी तरसते हैं। ये विचार श्री सिद्धचक्र विधान के तीसरे दिन सम्मेदशिखर जी मे संघ सहित विराजमान गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माता जी विधान में बिशेष आशीर्वाद देते हुवे अपने प्रवचन के दौरान उपस्थित श्रावकों से कही 'आयोजन प्रातः 6.00बजे से अभिषेक ओर शन्तिधारा दिग्विजय-धनंजय छाबडा दिल्ली को प्राप्त हुआ इसके साथ ही पूजन प्रारम्भ हुआ, विधान के तीसरे दिन मण्डल में सिद्धों के बत्तीस अर्घ्य समर्पित किए गए। सन्ध्या आरती का सौभाग्य सोधर्म इन्द्र अरुण-संतोष ,धनंजय छाबडा सहित लालगोला परिवार को प्राप्त हुआ रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम बहन-बेटी के द्वारा किया गया। **-कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा ने दी।**

# चढ़ी हुई नस 10 सेकंड में कैसे उतारें

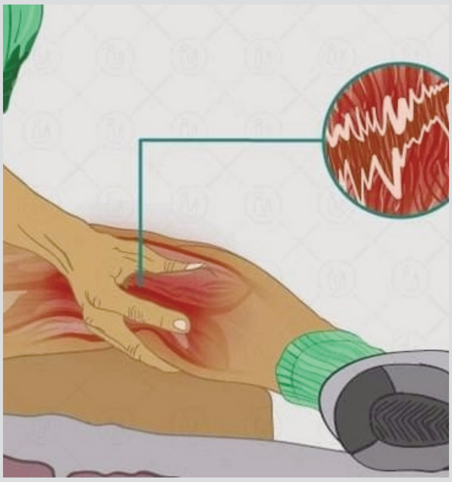

नस चढ़ना एक बहुत साधारण सी प्रक्रिया है, लेकिन जब भी शरीर में कहीं भी नस चढ़ जाए, जान ही निकाल देती है और अगर रात को सोते समय पैर की नस चढ़ जाए तो व्यक्ति चकरघिन्नी की तरह घूम कर उठ बैठता है, सूजन और दर्द अलग। साल भर पहले, एक दिन, कहीं बैठे बैठे, मेरे भी बायें पैर की नस चढ़ गयी, संयोगवश मेरे सामने एक बुजुर्ग एवं अनुभवी व्यक्ति बैठे थे, उन्होने तुरंत मेरे दायें हाथ की उंगली मेरे दाहिने कान के नीचे की तरफ रखी और कहा कि अब आप हल्का सा दबाए हुए उंगली को उपर और नीचे गति दें और ये प्रक्रिया करीब 10 सेकेंड तक करते रहें। मैं आश्चर्य चकित था कि मेरा पैर अब बिल्कुल ठीक था। मैने उन बुजुर्गवार का दिल से धन्यवाद दिया और उसके बाद आज तक एक साल में मैने इस चमत्कारी तरीके से ना जाने कितने लोगों को लाभान्वित किया है। आप भी जरूरत पड़ने पर एक बार आजमा के जरूर देखें। उसके विपरीत भाग के कान के निचले जोड़ पर उंगली से दबाते हुए उंगली को हल्का सा ऊपर और हल्का सा नीचे की तरफ बार बार 10 सेकेंड तक करते रहें। नस उतर जाएगी।

**-डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा**

## अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का वरुण पथ जैन समाज मानसरोवर द्वारा भव्य स्वागत

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** मानसरोवर में जैन तीर्थ उद्धारक गणिनी प्रमुख ज्ञानमति माताजी के आशीर्वाद से आये भगवान ऋषभदेव की जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का अभूतपूर्व स्वागत हुआ। श्री दिगंबर जैन समाज वरुण पथ मंदिर समिति के अध्यक्ष एम.पी. जैन व मंत्री ज्ञान चंद बिलाला ने बताया की इस मंगल अवसर पर सौ धर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य संतोष- मंजु, रोहित -विन्नी, यशस्वी कासलीवाल परिवार, व धनपति कुबेर बनने का सौभाग्य सतीश-मंजू , अनूप- पूजा, हेतवी कासलीवाल फागी वाले, आरती करने का सौभाग्य निर्मल, भँवरी काला व सुनील -अनीता, पंकज- मिनाक्षी, साक्षी, संयम, प्रियांशु गंगवाल डाँसरोली वाले को व भगवान के पालना झुलाने का सौभाग्य डॉक्टर सुशीला, सुशील टोंग्या व चंद्रकांता, राहुल छाबड़ा लंदन को मिला। इन मांगलिक क्रियाओं के साथ रथ को गाजे -बाजे के साथ नगर भ्रमण कराया और शाश्वत तीर्थ अयोध्या का प्रचार प्रसार जोर शोर से किया गया। नगर भ्रमण के दौरान शाश्वत तीर्थ अयोध्या के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जयकारों व भजनो के साथ जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने रथ में विराजित भगवान की आरती की। इस पावन अवसर पर श्रीमती बसन्ती देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय पदम चंद सुभाष जी मौजमाबाद वाले परिवार ने अयोध्या मंदिर निर्माण एवं अन्य धर्मावलंबी लोगों ने स्वर्ण, रजत, ताम्र शिला भेंट कर अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग कर धर्म लाभ अर्जित किया। इससे पूर्व समाज समिति ने पधारे हुए प्रतिष्ठा चार्य अकलंक जैन शास्त्री व अन्य अतिथियों का माला दुपट्टा व साफा पहनाकर स्वागत किया है। इस कार्यक्रम मे अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के परम शिरोमणि सरक्षक व आज के कार्यक्रम के धनकुबेर श्री सतीश कासलीवाल फागी वाले,युवा परिषद जयपुर के पूर्व अध्यक्ष सुनील गंगवाल,युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक बिंदायका व महामंत्री पारस बोहरा वह वरुण पथ जैन समाज के कई गण्यमान लोग मौजूद रहे।

## क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

**सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया**

जालोर। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। मंगलवार को आचार्य रघुनाथ स्मृति जैन भवन फुलों का वास में संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने धर्मसभा मे श्रध्दालूओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि क्रोधी मनुष्य कभी किसी का भी मित्र नही हो सकता है। सारी अच्छाइयों को क्षण मात्र के क्रोध से व्यक्ति अपनी प्रतिष्ठा को खो देता है और शैतान बन जाता है क्रोधी को अपने अवगुण नजर नही आते वह सामने वाले व्यक्ति के दोष को सही ठहराने कि कोशिश करता है। व्यक्ति जितना शांत रहेगा वही जीवन मे सुख भोग सकता है और अपनी प्रतिष्ठा को.बढ़ा सकता है। डॉ. वरुण मुनि ने कहा कि क्रोध मूखर्ता से शुरू होता है और प्रश्चाताप पर खत्म होता है क्रोध ज्वालामुखी की तरह है।

ज्वालामुखी वो आग है जिसकी चपेट आने वाली सारी वस्तुओ को जलाकर राख बना देती है उसकी भांति व्यक्ति अपने गुस्से और क्रोध मे बेकाबू होकर अपना ही सर्वनाश कर लेता है। जितना मनुष्य शांत रहेगा उतना ही परिवार और समाज आदर सत्कार प्राप्त कर सकता है। युवाप्रणेंता महेश मुनि बालयोगी अखिलेश मुनि ने भजन के माध्यम से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसदौरान धर्मसभा में हैदराबाद,बैगलोर, पाली,सोजत आदि क्षेत्रो से पधारे गुरूभक्तो का सम्पूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी अप्रवासी दिल्ली कोयंबटूर निवासी नेमीचंद जेठमल के सुपुत्र गौतमचंद,हुक्मीचंद,ललित कुमार छत्तरगोथा ने शोलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। धर्मसभा अध्यक्ष किशोर चौधरी प्रकाश मोदी महावीर कुमार कोठारी,अशोक चौधरी, हुक्मराज भंडारी, गौतममूथा, धनपत मूथा,हेमन्त पारख,धनपतराज मेहता आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। दोहपर उप्रवर्तक अमृत मुनि,युवाप्रणेंता महेश मुनि डॉ. वरुण मुनि द्वारा महामंत्र नवकार का सामूहिक जाप करवा गया। जिसमे बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने जाप किया। प्रवचन और जाप मे पधारने वाले भाई बहनों छत्तरगोथा परिवार की ओर प्रभावना प्रदान की गई।

## विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी का केशलोंच हुआ सम्पन्न

**गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर साधनारत भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी की केशलोंच मूलगुण क्रियाएँ संपन्न हुई। अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर गुरूमाँ ने अनाज त्याग पूर्वक आठ दिन तक एक आहार व एक उपवास का महान व्रत अंगीकार किया। सिद्धों की आराधना का अनुपम सिलसिला संस्कृत भक्तियों के माध्यम से संसंघ के द्वारा भक्ति भावों के साथ सम्पन्न हुआ। आगामी 20 मार्च 2024 बुधवार के दिन आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री अनुपम सागर जी, मुनिश्री समत्व सागर जी एवं मुनिश्री यतीन्द्र सागर जी का पूज्य गुरुमाँ के ससंघ के साथ वात्सल्य मिलन महोत्सव सम्पन्न होगा। प्रवचन सभा में उपस्थित भक्त गणों को सिद्धों की भक्ति का फल बताते हुए माताजी ने कहा कि- अष्ट कर्म से रहित तथा अष्ट गुणों से सहित सिद्ध भगवान की भक्ति भक्तों के कार्य सिद्धि का अनुपम साधन है। इसका साक्षात फल मैना सुंदरी ने अपने पति श्रीपाल के साथ 700 लोगों का कुष्ट रोग दूर कर प्राप्त किया था। जैसे छोटी सी दवाई बड़े से बड़े रोग को भी शांत कर देती है वैसे ही भक्ति भी बड़े से बड़े कर्म को काटने में भी समर्थ है। जयपुर व मालपुरा के यात्रियों ने विज्ञातीर्थ क्षेत्र के दर्शनों का लाभ प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरुमाँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

# पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव वैशाली नगर की तैयारियां हुई प्रारंभ

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति वैशाली नगर के तत्वाधान में जैन आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में 27 मार्च से 1 अप्रैल 2024 तक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां जानकी पैराडाइज के पास माल ऑफ जयपुर के पीछे गांधी पथ पर प्रारंभ हो गई हैं। पूरा वैशाली नगर एवं जयपुर जैन समाज भी तैयारियों में जुट गया है। पंचकल्याणक महोत्सव समिति के महामंत्री राजेश पाटनी ने बताया कि सात दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 26 मार्च को मेहंदी हल्दी कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हो जाएगा। मुख्य संयोजक विशाल जैन ने बताया की 27 मार्च को पंचकल्याणक की मूल क्रियाएं घट यात्रा, झंडारोहण, पंडाल उद्घाटन के साथ पंडित श्री मनोज जी शास्त्री सागर वालों के निर्देशन में प्रारंभ होगा। 29 मार्च को जन्माभिषेक का भव्य जुलूस वैशाली नगर के विभिन्न मार्गो से निकाला जाएगा तो वहीं अनेक झांकियां बैंड, बग्गी, हाथियों पर विराजमान इंद्र आदि आकर्षण के केंद्र रहेंगे कार्यक्रम में अनेकों गणमान्य अतिथियों व राजनेताओं के आने की संभावना है प्रतिदिन कार्य व्यवस्थाओं को लेकर मीटिंग का आयोजन किया जा रहा है तो वही युवा वर्ग में अति उत्साह नजर आ रहा है। महोत्सव समिति के मीडिया प्रभारी दीपक जैन ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारियों को लेकर एक समस्त जयपुर महिला मंडल की पदाधिकारीयों की एक महत्वपूर्ण मीटिंग भट्टारक जी की नसियां में आयोजित की गई, जिसमें पंचकल्याणक महोत्सव की घट यात्रा एवं जन्म कल्याणक जुलूस को भव्यता के साथ आयोजित करने एवं सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निर्धारित करने पर जोर दिया गया।

## दिव्या युवा मंच के बैनर तले आयोजित हुआ अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन-3

### तीन दिवसीय कार्यक्रम में जुटे 10 देशों के समाजसेवी

**रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया**

ऐलनाबाद। अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था दिव्या युवा मंच के तत्वावधान में 15 से 17 मार्च तक स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए दिव्या युवा मंच के संस्थापक व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुभाष चौहान ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कुछ सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किये गए है जिनकी प्राप्ति के लिए दुनियाभर में समाजसेवी लोग दिन रात निःस्वार्थ भाव से लगे हुए है। इस कार्यक्रम में 10 देशों के युवा समाजसेवी ऐलनाबाद की धरा पर जुटे और तीन दिनों तक इन सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा जॉर्जिया, ताजिकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, मलेशिया, श्रीलंका, लाइबेरिया, सूडान, नामीबिया सहित अन्य कई जगहों से युवा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर अपने अपने क्षेत्र में किये जा रहे समाजसेवी कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चौहान ने बताया कि पांच विभिन्न देशों की बेटियों ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने धरती पर बढ़ते पर्यावरणीय असंतुलन पर गहरी चिंता व्यक्त की और समाज के सभी वर्गों से इस पर्यावरणीय असंतुलन को रोकने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पूरे ब्रह्मांड में धरती ही केवल एक ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन संभव है लेकिन इस धरती पर जिस प्रकार के हालात बनते जा रहे हैं उसके चलते वह दिन दूर नहीं जब यह धरती भी प्राणी मात्र के रहने लायक नहीं रहेगी।

## गुलाबी धमाल फागोत्सव का हुआ आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** धर्म जागृति महिला मंडल प्रताप नगर द्वारा मां विशुद्ध संत भवन में गुलाबी धमाल फागोत्सव का आयोजन किया गया। मण्डल सदस्य अनिता ईटून्दा के अनुसार सोमवार को दोपहर 1 बजे से आयोजित गुलाबी धमाल फागोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती कीर्ति जैन संयुक्त शासन सचिव एवं श्रीमती रतन कवर पार्षद ग्रेटर नगर निगम जयपुर शामिल हुए वही मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी श्रीमती सीमा मनोज सोगानी पहाड़ी वाले एवं श्रीमती मंजुलता कमलेश जैन देवली वाले रहे। मंडल सदस्य शैफाली जैन ने बताया कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती शांतिदेवी अजीत कुमार अनुराग संगीत संस्थान द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर स्थानीय समाज एवं सर्व समाज कि महिलाओं ने रोमांचक गेम, फूलो की होली, फाग नृत्य से वातावरण को बृजमय बना दिया। समारोह में मंच संचालन मीनाक्षी जैन ने किया। वही मण्डल सदस्य ममता गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय समाज के मंत्री महेंद्र पचाला, धर्म चंद पराना, पूरण गंगवाल, जिनेन्द्र गंगवाल, बाबू लाल जैन ईटून्दा, समाज श्रेष्ठि मनोज सोगानी पहाड़ी वाले, अशोक सिंह राजावत सहित, विशुद्ध वर्धिनी बहुकला मण्डल, महिला मंडल सेक्टर 8 सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

# मन-शरीर संचार को समझना

**विजय गर्ग**

हमारे लिए सीधे शरीर के माध्यम से भावनाओं का अनुभव करना एक सामान्य बात है, उदाहरण के लिए जब हम किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने जाते हैं जिसे हम

बहुत प्यार करते हैं, तो हम उत्साह से धड़कते हुए दिल के साथ हल्के से चलते हैं, जबकि चिंता हमारी मांसपेशियों को सख्त कर सकती है और हमारे हाथों में पसीना आ सकता है। और एक महत्वपूर्ण नौकरी के साक्षात्कार से पहले कांपना, ठीक है? पिछले लगभग एक दशक में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि भावना प्रणाली हमें हृदय, स्केलेटोमस्कुलर, न्यूरोएंडोक्राइन और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र की सक्रियता को समायोजित करके पर्यावरण में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है। भावनाओं और शारीरिक स्थितियों के बीच यह संबंध हमारे बोलने या व्यवहार करने के तरीके में भी परिलक्षित होता है, उदाहरण के लिए: एक युवा लड़की जिसकी एक सप्ताह के भीतर शादी होने वाली है, उसके पैर अचानक ठंडे हो सकते हैं और घबराहट का अनुभव हो सकता है। इसी तरह जिन प्रेमी-प्रेमिकाओं का ब्रेकअप हुआ है और उनका दिल टूट गया है, उनका मनपसंद गाना कहीं बजता हुआ सुनकर उनकी रीढ़ में सिहरन दौड़ सकती है। हालांकि भावनाएं शारीरिक परिवर्तनों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ जुड़ी हुई हैं, फिर भी इस पर अभी भी गरमागरम बहस चल रही है कि क्या विभिन्न भावनाओं से जुड़े शारीरिक परिवर्तन इतने विशिष्ट हैं कि वे क्रोध, भय या खुशी जैसी अलग-अलग भावनात्मक भावनाओं के आधार के रूप में काम कर सकें? किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले, हमें यह समझने की जरूरत है कि मन और शरीर आपस में जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो इसका मतलब है कि हमारे विचार और भावनाएं सीधे हमारे शरीर को प्रभावित कर सकती हैं और हम जो सोचते हैं, जो महसूस करते हैं और जो करते हैं उस पर उनका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। तो यह पूरा तंत्र कैसे काम करता है? न्यूरो मेडिसिन विशेषज्ञों के अनुसार, मस्तिष्क और शरीर लगातार एक-दूसरे को संदेश भेज रहे हैं और ये संदेश मस्तिष्क और शरीर को उनके काम करने के तरीके में बदलाव और समायोजन करने के लिए कहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपकी आंखें आपके मस्तिष्क को बताती हैं कि एक कार तेजी से आपकी ओर आ रही है, तो यह शरीर को नुकसान के रास्ते से हटने के लिए बहुत तेजी से संदेश भेजेगी। इसी तरह, यदि आपका पेट खाली है और आपके शरीर को ईंधन की आवश्यकता है, तो आपका मस्तिष्क उस संदेश को सुनेगा और आपको भोजन की तलाश में भेज देगा। तो, संक्षेप में, आपको स्वस्थ रखने के लिए मन और शरीर निरंतर संचार में हैं...

**-विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट**

# अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

## आज के वक्त में हद से ज्यादा अच्छा होना भी ठीक नहीं है बाबू.. वरना लोग आपकी अच्छाइयों से खेल जाते हैं..!

आज के दौर में जो सबसे ज्यादा आड़े-तिरछे इन्सान होते हैं, वे सबसे ज्यादा सफल हो जाते हैं - चाहे धन की दौड़ में हो, शिक्षा की दौड़ में हो, व्यापार की दौड़ में हो, कर्ज लेने की दौड़ में हो, या राजनीति की दौड़ में हो। जो सबसे ज्यादा आड़े तिरछे इन्सान हैं, वे सबसे ज्यादा सफल है।

<u>आज की राजनीति को देखो तो:</u> ओ माई गोड और धन कमाने और कर्ज लेकर शौक पूरे करने वालों को देखो तो ईश्वर अल्ला तेरो नाम,

सबको सन्मति दे भगवान। आज आड़े-तिरछे चलना ही सीधा चलने जैसा हो गया है। जहां हम सुनते, सीखते आ रहे हैं कि कुशलता पूर्वक कार्य करो, कितने ही तिरछे चलो, पर मनज़िल तक पहुँचने का ध्यान रखो, कहीं से भी जाओ, येन केन प्रकारेण, वैसे भी तुमसे कोई नहीं पूछेगा कि यहां तक कैसे पहुंचे-? यदि आप आड़े वं तिरछे मार्ग से मनज़िल तक ना पहुंच पाये, तो मुसीबत में पड़ जाओगे, और सफल हो गये तो सफलता सब पाप को धो देती है। तो आज की सोच में सबसे बड़ा पाप है असफलता। आज इन्सान के सभी पाप - माफ तब तक है जब तक वह पुण्य पर है। परन्त बाबू, एक बात याद रखना -- पानी में गोबर कब तक छुपेगा...!!! नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

# मन की रचनात्मक यात्रा भाव उकेरे वुडकट प्रिंट प्रर्दशनी में

**उदयपुर.शाबाश इंडिया।** समकालीन कला जगत में प्रतिभाशाली युवा कलाकार प्रभुलाल गमेती के 35 वुडकट प्रिंट प्रदर्शनी सोमवार को मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग की कला दीर्घा में प्रदर्शित हुई। इन सभी कृतियों में उन्होंने अपने पिता की मधुर स्मृतियों को विषय रूप में विशेष स्थान दिया है। मसलन पिता की कुर्सी और चारपाई को अपने चित्रों में प्रस्तुत किया है। साथ ही प्रकृति और मनुष्य का संबंध भी बखूबी इनके चित्रों में उजागर होता है। कला प्रेमी दीर्घा में प्रदर्शित तमाम सृजन कृतियों में रचनात्मक सौंदर्य के साथ-साथ भावनात्मक सौंदर्य को भी आत्मसात करते हैं। गौरतलब है कि मूलतः निचली ओडन, नाथद्वारा निवासी प्रभुलाल विगत 10 वर्षों से उदयपुर शहर में अपनी कला यात्रा को अनवरत जारी रखे हुए हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त कर ये अपनी कला यात्रा में नित नवीन प्रयोग कर रहे हैं। इस प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि शहर के वरिष्ठ कलाकार प्रोफेसर सुरेश शर्मा एवं प्रोफेसर शैल चोयल सहित प्रो. एल एल वर्मा, प्रो. हेमंत द्विवेदी, प्रो. मदनसिंह राठौड़, प्रो. धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ. शाहिद परवेज, प्रो. रघुनाथ शर्मा, युगल किशोर शर्मा, भूपेश कावड़िया, आकाश चोयल, चेतन औदिच्य, हेमंत जोशी एवम अन्य कई वरिष्ठ और नवोदित कलाकार उपस्थित थे। प्रभुलाल वर्तमान में दृश्य कला विभाग में शोधार्थी हैं। -रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

## महासमिति महिला अंचल के चाकसू संभाग का फाग उत्सव संपन्न

**चाकसू, जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल के चाकसू संभाग द्वारा 18 मार्च को फाग उत्सव का जोरदार आयोजन चाकसू में किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने फाग के रंगारंग परिधान में तैयार होकर अप्सराओं के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। चाकसू संभाग अध्यक्ष रिचिका ने बताया की चाकसू संभाग द्वारा ऐसे शानदार आयोजन मे महिलांचल राजस्थान की अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, मंत्री सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन, प्रकोष्ठ मंत्री सरोज, युवा प्रकोष्ठ मंत्री शीला की भी गरिमामई उपस्थिति रही । संभाग मंत्री रिंकल ने बताया इस कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस, फाग क्वीन आदि अवार्ड भी दिए गए। देवरानी जेठानी और सास बहू के सुपर डांस ने कार्यक्रम में समा ही बांध दिया। फूलों की होली से सरोबार राधा कृष्ण डांस ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये ।फाग उत्सव में झूमते गाते लगभग 300 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका के द्वारा संरक्षक के रूप में संतोष बजाज, अध्यक्ष रिचिका, मंत्री रिंकल जैन, उपाध्यक्ष उषा सिंघल आदि के नाम की विधिवत घोषणा की गई।

## महावीर स्कूल प्रांगण में 18वां हास्य कवि सम्मेलन आज, पोस्टर का विमोचन हुआ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फैडरेशन नॉदर्न रीजन व जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल,जयपुर के बैनर तले 18वां हास्य कवि सम्मेलन बुधवार को शाम 6.30 बजे सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल प्रांगण में आयोजित होगा।इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष व कैपिटल के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चन्द्र जैन, नरेश रांवका, सुधीर गंगवाल, कैपिटल के अध्यक्ष अनिल रांवका, संयुक्त मंत्री राजकुमार, बड़जात्या, नवीन जैन व कार्यकारिणी सदस्य विनोद जैन मौजूद रहे। इस मौके पर देश के ख्यातनाम कवि काव्य पाठ करेंगे। मुख्य समन्वयक सुभाष चन्द्र जैने व अध्यक्ष अनिल रांवका ने बताया कि इस मौके पर दीप प्रज्जवलनकर्ता सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पदम चंद जैन-कुसुम जैन,मुख्य अतिथि पार्षद पारस जैन-पूजा जैन, विशिष्ठ अतिथि शांति-बीना पाटनी व संजय-बबिता जैन होंगे।जबकि अध्यक्षता श्रेष्ठी सुशील-इन्द्रा बढ़जात्या करेंगे। सम्मानीय अतिथियों में जेएसजीआईएफ के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन,कमल संचेती,पूर्व सचिव महेन्द्र गिरधरवाल, जेएसजीआईएफ के आईडी मनीष झांझरी व सीएस जैन होंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर केकड़ी के हास्य सम्राट बुद्धि प्रकाश दाधीच,भीलवाड़ा शक्करगढ़ के हास्य कवि राजकुमार बादल,प्रतापगढ़ के पार्थ नवीन, दिल्ली की श्रंगार रस की कवयत्री श्रीमती पदमनि शर्मा टूंडला के हास्य कवि लठूरी लट्ट जैसे कवि देर रात जयपुर राइटस को हंसी की ठिठोली हास्य रंग से भिगोएंगे। इस मौके पर सम्मेलन का बेहतरीन मंच संचालक करेंगे देवास के कवि शशिकांत यादव। उन्होंने बताया कि जयपुर जैन समाज को यह एक मात्र ऐसा सम्मेलन है जो पिछले 17 वर्षों से अनवरत आयोजित हो रहा है।

## ईश्वर दत्त माथुर गोविंद अवार्ड से सम्मानित

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

वरिष्ठ रंग कर्मी एवं लोक गायक ईश्वर दत्त माथुर को ठिकाना गोविंद देव जी के मंदिर में चल रहे फागोत्सव में मंदिर प्रशासन की ओर से 'गोविंद अवार्ड' से सम्मानित किया गया। मंदिर महन्त, श्री अंजन कुमार गोस्वामी ने ईश्वर माथुर को उनके लोक गायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय अवदान के लिए मेडल पहनाया ,शाल ओढ़ाकर और भगवान श्री गोविंद देव जी की छवि का एक बड़ा चित्र और मंदिर प्रांगण की प्रतिकृति का स्मृति चिन्ह भेंट किया। मंदिर प्रशासन की ओर ईश्वर माथुर की पत्नी श्रीमती चारु माथुर का भी सम्मान किया गया। श्री गोविंद देव जी के मंदिर में प्रतिवर्ष होने वाले फागोत्सव में ईश्वर माथुर ढुंढारी भाषा में लोकगीत गाकर अपनी हाजिरी लगते हैं।

## अग्रवाल एलीट ग्रुप का होली मिलन एवं फाग उत्सव,शानदार सेलिब्रेशन के साथ संपन्न हुआ

### ग्रुप के द्वारा बिजनेस नेटवर्क सेमिनार कराया जाएगा

**कोटा. शाबाश इंडिया**

अग्रवालों का प्रतिष्ठित ग्रुप अग्रवाल एलीट ग्रुप का होली मिलन एवं फाग उत्सव बूंदी रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट में शानदार सेलिब्रेशन के द्वारा संपन्न हुआ। जानकारी देते हुए अग्रवाल एलीट ग्रुप के संस्थापक ओम जैन सर्राफ एवं डायरेक्टर राजेंद्र अग्रवाल एवं सी पी मित्तल ने संयुक्त रुप से बताया कि ग्रुप के द्वारा शीघ्र ही एक बिजनेस नेटवर्क सेमिनार कराया जाएगा जिसमें शहर के एक वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं वरिष्ठ उद्यमी को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जायेगा जिसमें व्यापारिक टैक्स संबंधी एवं उद्योग से संबंधित बिंदुओं पर विशेष जानकारी दी जाएगी। एलीट ग्रुप के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर हरीश अग्रवाल एवं मनोज जैन ने बताया कि होली के अवसर पर अनूप अग्रवाल को सब्जियां की माला पहनाकर मूर्खधीराज की उपाधि से नवाजा गया। ग्रुप प्रतिभावान छात्रों एवं सदस्य की कोई भी उपाधि, या उपलब्धि पर उन्हें सम्मानित करता है। ग्रुप की प्रोजेक्ट डायरेक्टर पूर्व

विधायक श्रीमती पूनम गोयल ने बताया की अंतरराष्ट्रीय भजन गायक अनुराग मित्तल (कुमार अनु) के द्वारा फाग उत्सव उनके शानदार भजनों के द्वारा मनाया गया, जिसमें काफी संख्या में भक्त जनों ने इसका आनंद लिया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर- डॉक्टर हर्ष गोयल, नवीन सिंघल, डॉ विनीत जैन, शंभू अग्रवाल,मुकेश गोयल,अनिल अग्रवाल, राजेश गोयनका, हिमांशु मित्तल, सभी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के डायरेक्टर्स संजीव बजारी, राजेश गुप्ता, महेश गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

# अखिल सेतु का लोकार्पण

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** 19 मार्च को समन्वय वाणी फाउंडेशन जयपुर द्वारा संचालित 'अथाई समन्वय समूह ' की ई पत्रिका 'अखिल सेतु' त्रैमासिक का लोकार्पण वरिष्ठ पत्रकार राजनीतिक विश्लेषक एवन टीवी के चैनल हैड श्री अनिल लोढ़ा द्वारा किया गया। पत्रिका के प्रधान संपादक डा.अखिल बंसल ने बताया कि इस साहित्यिक संस्था का गठन कोरोना काल में 22 अप्रैल 2020 को किया गया था।इसमें देश भर के विभिन्न भाषा-भाषी लगभग 250 से अधिक साहित्यिक मित्र व्हाइटसेप व फेसबुक ग्रुप से जुडकर अपनी गतिविधियों का संचालन व विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। संस्था द्वारा अब तक तीन काव्य संकलन प्रकाशित हो चुके हैं। समन्वय वाणी पाक्षिक व समन्वय वाणी यूट्यूब चैनल पर भी गतिविधियां प्रस्तुत की जाती हैं इसका प्रवेशांक समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी के लिए समर्पित है।

# तीर्थ राज शिखर जी में ध्वजारोहण के साथ शुरू हुई सिद्धों की महा आराधना

**मधुवन, सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया।** संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी में श्रावक श्रेष्ठी राजेन्द्र कुमार प्रकाश हुकम काका हरसौरा परिवार कोटा के पुण्यर्जन में फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष में अंष्टानिका महापर्व पर श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। ध्वजारोहण चांद खेड़ी कमेटी के संरक्षक राजेन्द्र हरसौरा, भारत वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय कार्यध्यक्ष हुकम काका कोटा, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, कांग्रेस नेता अशोक खादी सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया। भव्य शोभायात्रा के साथ प्रभु को किया विराजमान: समारोह के प्रारंभ में शाश्वत भवन से घटयात्रा का शुभारंभ हुआ जो गुणायतन शीतलधाम पावनधाम चंद्र प्रभु धाम भोमिया जी आदिनाथ पाषाण जिनालय होते हुए तेरहपंथी कोठी चंद्र प्रभु वांग होते हुए आचार्य श्री विद्यासागर सभागार परिसर पहुंच कर धर्म सभा में बदल गई जहां पंडित सुनील शास्त्री के मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान पूर्वक ध्वजारोहण पुण्यर्जक परिवार द्वारा किया गया इसके साथ ही शोभा यात्रा के रूप में श्री जी को आचार्य श्री विद्यासागर सभागार में विशेष सिंहासन पर विराजमान किया गया ।

अंष्टानिका महापर्व में मंडल बनाकर महा आराधना का विशेष महत्व हैं : विजय धुर्रा इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि कल से सभी को मौका मिलेगा अंष्टानिका महापर्व में मंडल बनाकर प्रभु की आराधना का विशेष महत्व होता है सिद्ध क्षेत्र और सिद्धचक्र महा मंडल वह भी सिद्ध भूमि पर ये मणिकांचन संयोग है इसका सभी को लाभ लेना है।

# समता गोदिका ने फागोत्सव में दी भव्य प्रस्तुति

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** गोविंद देवजी मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय भव्य फागोत्सव के दूसरे दिन प्रसिद्ध गायिका समता गोदिका नेअपनी मनमोहक प्रस्तुति से समा बांधा। 'कन्हैया घर चलो आज खेलें होली' और 'कैसो चटक रंग डारो' गीतों पर श्रोता खूब झूमे। ढोलक पर पावन डांगी ,सितार पर पंडित हरिहर शरण भट्ट, तबले पर अकबर, कीबोर्ड पर शेरखान, साइड रिधम पर भवानी डांगी और नगाड़े पर गोपाल खींची ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध गायक संजय रायजादा ने किया।

# हाईकोर्ट विजिट में लॉ कॉलेज की छात्राओं ने दिखाया उत्साह

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री भवानी निकेतन लॉ कॉलेज ने प्रथम वर्ष कि छात्राओं के लिए मंगलवार को हाईकोर्ट विजिट आयोजित की गई। कोर्ट विजिट के दौरान छात्राएं ने कोर्ट रूम एवं उनके प्रोसीजर की बारीकियां समझी। इस दौरान छात्राओं ने हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा एवं अधिवक्ता शशि भूषण गुप्ता , अमित रतनावत एवं अन्य अधिवक्ताओं से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कोर्ट विजिट के दौरान विधि छात्रा दीप कंवर ने न्यायिक मानवाधिकार परिषद राजस्थान प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती वंदना चौहान (अधिवक्ता) से मुलाकात कर उनको उनके सामाजिक एवं उत्कृष्ट कार्यो के लिए फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिवादन किया। अधिवक्ता वंदना चौहान के अनुसार मेहनत ही सफलता की कुंजी है। एक सफल वकील के लिए धैर्य आवश्यक, वही उसकी असली पहचान है वंदना चौहान ने सभी छात्रों का मार्गदर्शन किया की स्टूडेंट्स कैसे इसमें भविष्य को बेहतर बना सकते हैं, श्री भवानी निकेतन लॉ छात्रा दीप कंवर एवं अन्य छात्रों में उनका मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया।